नईदुनिया
इंदौर, गुरुवार 04 अगस्त 2016

इंटरनेट की दुनिया में तेजी से हो रहे परिवर्तन सुरक्षा के लिए बन रहे खतरा

जैसा कि हम जानते हैं दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। यह परिवर्तन इतने अधिक हैं कि इनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलना लगभग असंभव हो चुका है। हर दिन, हर क्षण हमें किसी नई खोज के बारे में जानकारी मिलती है। एक ओर इन नई खोजों के कारण हमें बाजार और समाचारों की सुर्खियों में नई और विकसित तकनीकयुक्त गैजेट्स व एप्स मिलने लगे हैं। वहीं दूसरी ओर लोगों में असमंजस की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है कि क्या किया जाए और क्या न किया जाए। तेजी से हो रहे यह परिवर्तन और बढ़ते विकल्प समाज की सुरक्षा के लिए खतरा भी बनते जा रहे हैं।

वरुण कपूर
आईपीएस

तकनीक की दुनिया में अब एक नई चीज सामने आई है- इंटरनेट ऑफ थींग्स यानी आईओटी। इससे पहले कि इसका प्रभाव समाज पर बढ़ता जाए और इसे सामान्य तरीकों से संभालना मुश्किल हो जाए, हमें इंटरनेट ऑफ थींग्स के फायदे और नुकसान को समझना होगा। इंटरनेट ऑफ थींग्स से आशय उन रोजमर्रा की वस्तुओं से है जो अब इंटरनेट से जुड़ गई हैं, जिनके जरिए हम डेटा कलेक्ट, सेंड और रिसीव कर सकते हैं। इन रोजमर्रा की वस्तुओं में जटिल सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेंसर्स लगाए जाते हैं, जिनकी मदद से ये वस्तुएं डेटा सेंड और रिसीव कर पाती हैं।

एटीएम मशीन पहली आईओटी डिवाइस थी, जो 1970 में चलन में आई। वर्ष 2008 तक मनुष्यों से ज्यादा वस्तुएं इंटरनेट से जुड़ती चली गईं। एक अनुमान के मुताबिक 2020 तक इंटरनेट से जुड़े वाहनों की संख्या बढ़कर 2,50,000 तक हो जाएंगी। कनेक्टेड किचन्स खाद्य सामग्री से जुड़े उद्योगों के लिए प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत तक की बचत कर सकते हैं। अनुमानों के मुताबिक आईओटी अगले 20 वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 10 से 15 खरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकते हैं। इस साल के अंत तक 4.9 अरब डिवाइस इंटरनेट से जुड़ जाएंगे, जबकि 2020 तक यह आंकड़ा 50 अरब तक पहुंचने की संभावना है।

तीन साल में हर एक के पास होंगे 7 इंटरनेट डिवाइस

दुनिया की जनसंख्या 7 अरब है, 50 अरब डिवाइस 2020 तक इंटरनेट से जुड़ जाएंगे इसका अर्थ है आने वाले तीन वर्षों में औसतन एक व्यक्ति के पास 7 इंटरनेट से जुड़े डिवाइस होंगे। जबकि आज एक व्यक्ति के पास सिर्फ 1 से 3 डिवाइस ही इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। यह मोबाइल, लैपटॉप या टेबलेट कुछ भी हो सकते हैं। बेहद कम समय में यह आंकड़ा 7 डिवाइस तक पहुंचने वाला है परंतु एक बड़ी जनसंख्या के पास इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, ना ही छोटे बच्चे इन चीजों का उपयोग कर सकते हैं, इसलिए यह आंकड़ा 7 से अधिक होगा। इसमें ऑटोमोबाइल, फ्रीज, माइक्रोवेव, टीवी, एसी, स्कैनर, प्रिंटर, दीवार घड़ी कुछ भी शामिल हो सकता है। यह आईओटी क्रांति हमारी ओर तेजी से आ रही है और हमें भविष्य के लिए अभी से तैयार रहना होगा।

सुविधाओं के साथ होंगे खतरे भी

हम जितनी अधिक वस्तुओं से इंटरनेट को जोड़ेंगे, हमारी जिंदगी उतनी ही आसान हो जाएंगी क्योंकि हर चीज सिर्फ एक बटन दबाने जितनी दूरी पर होगी, परंतु हर अच्छी चीज के लिए एक कीमत चुकानी होती है। आईओटी भी सुविधाओं के साथ कई खतरे भी लाएगा, जिसका हल हमें अभी ही खोजना होगा। यह हमारी सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है। ग्राहकों की जागरुकता की कमी का फायदा उठाते हुए हैकर्स ऑनलाइन अटैक करने के साथ ही शारीरिक रूप से भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अंत में हम सिर्फ इतना ही कह सकते हैं कि तेजी से बदलती दुनिया के साथ बदलना जरूरी होता है, परंतु नई तकनीक को अपनाने के साथ ही उसके बारे में पूरी जानकारी और जागरूकता रखना भी बेहद जरूरी है। नई तकनीक के साथ जुड़े सुरक्षा मुद्दों के लिए सिर्फ पहले से सुरक्षा के उपाय खोजना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि लोग नई तकनीक और गैजेट का इस्तेमाल करने लगें, इससे पहले इन सुरक्षा उपायों को भी सक्रिय करना आवश्यक है।

(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)
ईमेल: varunkapoor170@gmail.com